Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 6 - 12 जुलाई 2022

• वर्ष 8 • अंक 46 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

तथ्य कई हैं
पर सत्य
एक है।
- रविन्द्रनाथ टैगोर

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

12वीं कक्षा पास को रहना-खाना व शिक्षा फ्री!

राज्यपाल ने सब-जूनियर वुशू प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया

ललित कश्यप
मंडी . बाख़बर कनेक्ट

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मण्डी के पड्डल खेल मैदान में 22वें सब-जूनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता 2022 का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर वुशू खेल को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि यह खेल न केवल शारीरिक क्षमता को सुधारने का कार्य करता है, बल्कि इससे व्यक्ति अनुशासित भी बनता है। यह प्रतियोगिता भारतीय वुशू संघ और हिमाचल प्रदेश वुशू संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। आर्लेकर ने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि अनुशासन की कमी के कारण समाज में कई समस्याएं हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों द्वारा दिखाया गया अनुशासन प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वुशू न केवल एक खेल है, बल्कि आज के समय की आवश्यकता है, क्योंकि इससे व्यक्ति में आत्म-अनुशासन का विकास होता है। उन्होंने भारतीय वुशू संघ और राज्य वुशू संघ के प्रयासों की सराहना की और संतोष व्यक्त किया कि राज्य की युवा पीढ़ी इस खेल को अपना रही है और बड़ी संख्या में प्रतियोगिता में भाग ले रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ओलंपिक खेलों में भी वुशू को शामिल करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने इस अवसर पर औपचारिक रूप से प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया, जिसमें 33 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों के 1300 खिलाड़ी इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। स्पेशल ओलंपिक इंडिया की

शेष पृष्ठ दो पर

खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार योजना

सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती योजना से जुड़कर लाभ प्राप्त करें किसान : डी.सी. राणा

देवेन्द्र कश्यप
चंबा . बाख़बर कनेक्ट

आकांक्षी जिला चंबा में किसानों व बागवानो की आर्थिकी को मजबूत करने के उद्देश्य से कृषि व उद्यान विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। संबंधित विभागों की कार्य योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। उपायुक्त चंबा ने साहू क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के किसानों व बागवानो की नकदी फसलों का खेतों में निरीक्षण

शेष पृष्ठ दो पर

होटल या रेस्तरां बिल में सेवा शुल्क नहीं लगा सकता!

'जादगी नींद' का निर्माण वर्चुअल रियलिटी पर आधारित : सुरेश भारद्वाज

शिमला : शहरी विकास, आवास, नगर नियोजन, संसदीय कार्य, विधि एवं सहकारिता मंत्री सुरेश भारद्वाज ने सिंह सभा शिमला द्वारा गेयटी थियेटर में आयोजित 'जादगी नींद' डॉक्यूमेंट्री फिल्मांकन में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। डॉक्यूमेंट्री के फिल्मांकन के बाद शहरी विकास मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि फिल्म का निर्माण वर्चुअल रियलिटी पर आधारित है। आज के दौर में इस फिल्म को ज्यादा से दिखाने की आवश्यकता है ताकि आज मनुष्य खुद के साथ साथ अध्यात्म की दुनिया को न भूले।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वेबिनार में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के बताए गुर

निशा देवी
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

प्लास्टिक अपशिष्ट संशोधन नियम, 2021 और 2022 ''एकल उपयोग प्लास्टिक ईपीआर अनुपालन - प्लास्टिक अपशिष्ट पंजीकरण' के संबंध में अपूर्व देवगन, आईएएस, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अध्यक्षता में एक वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 और 2022 के तहत सरकारी अधिकारियों, आम जनता, उद्योग - उत्पादकों, आयातकों, ब्रांड मालिकों और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसर को आमंत्रित किया गया था। औद्योगिक संघ बद्दी, ऊना, नालागढ़, कला अम्ब, धर्मशाला और हिमाचल औषधि निर्माण संघ, व्यापार मंडल, शिमला सहित वेबिनार में राज्य भर के लगभग 350 प्रतिभागी ने भाग लिया। अपूर्व देवगन ने बताया सत्र का आयोजन प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और एसयूपी प्रतिबंध के

शेष पृष्ठ दो पर

नई सामग्री की खोज की!

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने धौलासिद्ध परियोजना के अपस्ट्रीम कॉफ़र डैम का उद्घाटन किया

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने आज हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में 66 मेगावाट की धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना के अपस्ट्रीम कॉफ़र डैम का उद्घाटन किया। शर्मा ने सलासी खड्ड पर 16 मीटर लंबे और 4.25 मीटर चौड़े कंक्रीट पुल और सलासी में परियोजना कार्यालय भवन का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख परमिंदर अवस्थी सहित परियोजना अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नन्द लाल शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परियोजना की आधारशिला 27 दिसंबर 2021 को रखी गई और वर्तमान में परियोजना की गतिविधियां त्वरित गति से चल रही है। कॉफ़र डैम को 4 माह, 10 दिन के रिकॉर्ड समय में और निर्धारित समय से चार माह पहले पूरा किया गया है। यह रिवर डायवर्जन कार्यों के पूरा होने का प्रतीक है जो डैम फाउंडेशन के पूरी तरह से खुदाई के कार्यों का मार्ग प्रशस्त करता है,

शेष पृष्ठ दो पर

मैक लॉड गंज!

एसजेवीएन ने रचा कीर्तिमान : नाथपा झाकड़ी पावर स्टेशन ने किया अब तक का सर्वाधिक एकल दिवस उत्पादन

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने अवगत कराया कि कंपनी के फ्लैगशिप 1500 मेगावाट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने एकल दिवस विद्युत उत्पादन में कमीशनिंग से अब तक के रिकॉर्ड को पार कर लिया है। जलविद्युत स्टेशन ने गत रिकॉर्ड को पार करते हुए 39.507

शेष पृष्ठ दो पर

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

योग से अवसाद का निदान

विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वे पर आधारित एक अध्ययन के अनुसार विश्व स्तर पर भारत में अवसाद की दर सबसे ज्यादा है। अधिक चिंताजनक स्थिति यह है कि सभी आयु के लोग, किशोर से लेकर प्रौढ़ तक, अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। यह सभी आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को प्रभावित कर रहा है। चाहे एक अभावग्रस्त व्यक्ति जो एक शाम के भोजन के लिए जद्दोजहद कर रहा है या एक अमीर व्यक्ति जो विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा है। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि अवसाद ग्रस्त व्यक्ति भावनात्मक रूप से कमजोर मानसिक स्थिति में अपना जीवन ही समाप्त करने का निर्णय ले लेता है।

भारत में किशोरों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृति ने यह इस बात को रेखांकित किया है कि इस बीमारी पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति में अवसाद का प्रांरभ बहुत छोटी व तुच्छ चीजों से भी हो सकता है। जैसे कक्षा में प्रथम न आ पाना, परीक्षा में मनचाहे अंक प्राप्त न कर पाना आदि। अवसाद के कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं जैसे कोई व्यक्ति अपने किसी अंग के पक्षाघात से ग्रस्त हो। कैंसर तथा मानसिक असंतुलन जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को भी अवसाद हो सकता है। इसे द्वीतीयक अवसाद कहते हैं। ऐसे लोगों में अवसाद धीरे-धीरे कम हो जाता है, जो गंभीर बीमारी से लड़ना सीख जाते हैं या उनका सफल इलाज हो जाता है।

प्रत्येक आसन में सांस लेने की विशेष प्रक्रिया होती है। एक व्यक्ति को इसे गंभीरतापूर्वक देखना चाहिए और सांस के प्रति अपने मन में जागरूकता का विकास करना चाहिए। सांस की जागरूकता के साथ जब आसन किये जाते हैं, तो अभ्यास करने वाला व्यक्ति आसन के साथ एकीकृत हो जाता है। इसमें सांस छोड़ने की प्रक्रिया लम्बी हो जाती हैं और इससे तनाव भी बाहर निकल आता है। इसी प्रकार जब हम गहरी सांस लेते हैं, तो हममें साहस की भावना मजबूत होती है।

॥ प्रथम पृष्ठ के शेष >

राज्यपाल ने . . .

अध्यक्षा डॉ. मलिका नड्डा ने वुशू प्रतियोगिता में देश भर से आए खिलाड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस खेल के बारे में बहुत कम लोग अवगत थे, लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देश की भावी पीढ़ी को यह कला सिखाई जानी चाहिए।

सुभाष पालेकर . . .

करने के उपरांत कहा कि सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती और हाई डेंसिटी प्लांटेशन तथा होम स्टे योजना और जोखिम प्रबंधन पशु बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना से अधिक से अधिक जुड़कर लाभ प्राप्त करें।

एसजेवीएन के . . .

जिसका कार्य पहले से ही प्रगति पर है।

सलासी खड्ड पर बने पुल के लाभों के संबंध में शर्मा ने कहा, यह पुल न केवल नदी के किनारों के मध्य बहुमूल्य संपर्क स्थापित करेगा अपितु यह बांध निर्माण गतिविधियों को भी गति प्रदान करेगा।

एसजेवीएन ने रचा . . .

मिलियन यूनिट का अब तक का उच्चतम दैनिक विद्युत उत्पादन हासिल किया है।

शर्मा ने आगे बताया कि एनजेएचपीएस को हाई फ्लो सीजन के दौरान 100 प्रतिशत उपलब्धता पर 36 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन करने के लिए डिजाइन किया गया है और इसकी तुलना में पावर स्टेशन ने 39.507 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन किया है।

प्रदूषण नियंत्रण . . .

विभिन्न नियमों और विनियमों के संबंध में उद्योगों, अधिकारियों, आम जनता और व्यापारियों के संदेह को दूर करने के उद्देश्य से किया गया था ताकि सामंजस्यपूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

आँवला दाह, पाण्डु, रक्तपित्त, अरुचि, त्रिदोष, दमा, खाँसी, श्वास रोग, कब्ज, क्षय, छाती के रोग, हृदय रोग, मूत्र विकार आदि अनेक रोगों को नष्ट करने की शक्ति रखता है। वीर्य को पुष्ट करके पौरुष बढ़ाता है, चर्बी घटाकर मोटापा दूर करता है। सिर के केशों को काले, लम्बे व घने रखता है।

आँवला एक अमृत फल

आँवला विटामिन सी का सर्वोत्तम और प्राकृतिक स्रोत है। इसमें विद्यमान विटामिन सी नष्ट नहीं होता।

यह भारी, रुखा, शीत, अम्ल रस प्रधान, लवण रस छोड़कर शेष पाँचों रस वाला, विपाक में मधुर, रक्तपित्त व प्रमेह को हरने वाला, अत्यधिक धातुवर्द्धक और रसायन है। यह विटामिन सी का सर्वोत्तम भण्डार है।

आँवला दाह, पाण्डु, रक्तपित्त, अरुचि, त्रिदोष, दमा, खाँसी, श्वास रोग, कब्ज, क्षय, छाती के रोग, हृदय रोग, मूत्र विकार आदि अनेक रोगों को नष्ट करने की शक्ति रखता है। वीर्य को पुष्ट करके पौरुष बढ़ाता है, चर्बी घटाकर मोटापा दूर करता है। सिर के केशों को काले, लम्बे व घने रखता है। जैसे देवताओं में ब्रह्मा-विष्णु-महेश हैं वैसे ही आयुर्वेद में हरड़-बहेड़ा और आँवला की कीर्ति है। विभिन्न भाषाओं में नाम : संस्कृत- आमलकी धात्री। हिन्दी- आँवला। मराठी- काम्वट्ठा, आंवला। गुजराती- आँवला। कन्नड़-मलयालम- नेल्लि। तमिल- नेल्लिकाई। तेलुगू- उशीरिकई, उसरकाम। फारसी- आमलज। इंग्लिश- एम्बलिक माइरोबेलेन। लैटिन- एम्बिलिका आफिसिनेलिस।

रासायनिक संघटन : आँवले के 100 ग्राम रस में 921 मि.ग्रा. और गूदे में 720 मि.ग्रा. विटामिन सी पाया जाता है। आर्द्रता 81.2, प्रोटीन 0.5, वसा 0.1, खनिज द्रव्य 0.7, कार्बोहाइड्रेट्स 14.1, कैल्शियम 0.05, फॉस्फोरस 0.02, प्रतिशत, लौह 1.2 मि.ग्रा., निकोटिनिक एसिड 0.2 मि.ग्रा. पाए जाते हैं।

इसके अलावा इसमें गैलिक एसिड, टैनिक एसिड, शर्करा (ग्लूकोज), अलब्यूमिन, काष्ठौज आदि तत्व भी पाए जाते हैं।

उपयोग : त्रिफला की 3 औषधियों में से आँवला एक है। इसे सूखे चूर्ण के रूप में अन्य औषधियों के साथ नुस्खे के रूप में और अचार, चटनी, मुरब्बे के रूप में सेवन किया जाता है। च्यवनप्राश, ब्राह्मरसायन, धात्री लौह और धात्री रसायन आदि आयुर्वेदिक योग तैयार करने में आँवला काम आता है। यह अनेक रोगों को नष्ट करने वाला पोषक, धातुवर्द्धक और रसायन है। आयुर्वेद ने इसे अमृतफल कहा है।

विटामिन सी ऐसा नाजुक तत्व होता है जो गर्मी के प्रभाव से नष्ट हो जाता है, लेकिन मजे की बात यह है कि आँवले में विद्यमान विटामिन सी किसी भी सूरत में नष्ट नहीं होता। यह सदाबहार फल सभी ऋतुओं में चटनी, मुरब्बा, अचार, चूर्ण, अवलेह आदि के रूप में गुणकारी बना रह सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में मल निकासी योजना को स्वीकृति प्रदान : महेंद्र सिंह ठाकुर

बाख़बर कनेक्ट
चंबा . बाख़बर कनेक्ट

जल शक्ति, राजस्व, बागवानी एवं सैनिक कल्याण मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी मल निकासी की योजना से लाभान्वित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह बात उन्होंने बनीखेत में विधानसभा क्षेत्र डलहौजी के अंतर्गत लगभग 8 करोड रुपए की लागत से निर्मित होने वाली एक निरीक्षण कुटीर और 5 विभिन्न पेयजल व सिंचाई योजनाओं के विधिवत शिलान्यास के उपरांत अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि डलहौजी विधानसभा क्षेत्र में गत साढ़े 4 वर्षों के कार्यकाल में विभिन्न पेयजल व सिंचाई योजनाओं पर लगभग 300 करोड़ पर की धनराशि व्यय की जा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से डलहौजी विश्व विख्यात है जहां पर पर्यटकों की आवाजाही निरंतर बढ़ रही है जिसके दृष्टिगत पर्यटन नगरी डलहौजी में 24 घंटे निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी और इस कार्य के लिए समुचित धनराशि की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि पेयजल योजना डलहौजी शहर का सुधार एवं विस्तार कार्य के लिए 65 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं उन्होंने इस कार्य को तय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि बनीखेत के शहरी क्षेत्र के साथ लगती ग्राम पंचायतों को भी सीवरेज की सुविधा से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने बनीखेत नाले के तटीयकरण के लिए बाढ़ नियंत्रण योजना के तहत 25 लाख रुपए की धनराशि देने की भी घोषणा की। जल शक्ति मंत्री ने मुख्य अभियंता जल शक्ति विभाग धर्मशाला जोन को बनीखेत में निर्मित होने वाले निरीक्षण कुटीर में दो अतिरिक्त कमरों के साथ एक सम्मेलन कक्ष का प्रावधान करने के भी निर्देश दिए। जल शक्ति मंडल डलहौजी के अंतर्गत लगभग 2 करोड की लागत की निरीक्षण कुटीर भवन बनीखेत का निर्माण कार्य, लगभग 2 करोड की लागत पर्वत धारा योजना के अंतर्गत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार व जल संरक्षण कार्य और 70 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली बहाव सिंचाई योजना गोली जोकना के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास किया है । इसके अतिरिक्त जल शक्ति मंडल सलूणी के अंतर्गत 63.11 लाख रुपए की लागत से ग्राम पंचायत बाडका व सेरी की विभिन्न पेयजल योजनाओं का संवर्धन एवं पुन- निर्माण, 88. 65 लाखों रुपए की लागत से ग्राम पंचायत भांदल की विभिन्न पेयजल योजनाओं का संवर्धन एवं पुनर्निर्माण , 177 .85 लाख रुपए से निर्मित होने वाली ग्राम पंचायत सनूह की विभिन्न पेयजल योजनाओं का संवर्धन एवं पुनर्निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया।

शिमला शहर को स्मार्ट बनाने के लिए किए जा रहे हैं हर संभव प्रयास : सुरेश भारद्वाज

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

शहरी विकास, आवास, नगर नियोजन, संसदीय कार्य, विधि एवं सहकारिता मंत्री सुरेश भारद्वाज ने स्ट्रॉबेरी हिल्स में विधायक निधि से निर्मित ओपन जिम, ग्राउंड टाइल्स एवं सामुदायिक भवन की मुरम्मत का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन सब कार्यों पर लगभग 12 लाख रुपए की राशि खर्च की गई है। उन्होंने कहा कि शिमला शहर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव उचित कदम उठाए जा रहे हैं ताकि यहां के लोगों के जीवन में सुगमता प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि हम सबको हर क्षेत्र में मिल जुल कर रहने की आवश्यकता है ताकि एक पारिवारिक रिश्ता बना रहे और जरूरत के समय एक-दूसरे के लिए सहायक सिद्ध हो। उन्होंने कहा कि शिमला शहर को स्मार्ट बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें सड़कों को चैड़ा किया जा रहा है, पैदल पथ, ओवर हैड ब्रिज, लिफ्ट, फ्लाई ओवर, एक्सलेटर, पार्किंग, ओपन जिम आदि का निर्माण किया जा रहा है।

پائلٹس کو اڑن طشتریاں دکھائی دیں یا ٹوٹا تارا؟

آئرش ایوی ایشن اتھارٹی ان اطلاعات کی تحقیقات کر رہی ہے جن میں پائلٹس نے کہا کہ انھیں آئرلینڈ کے جنوب مغربی ساحل پر آسمان میں تیز روشنی نظر آئی اور اڑن طشتریاں دکھائی دیں۔

اس کا آغاز نو نومبر کو مقامی وقت صبح چھ بج کر 47 منٹ پر اس وقت ہوا جب برٹش ایئر ویز کی پائلٹ نے شینن ایئر ٹریفک کنٹرول سے رابطہ کیا۔

انھوں نے دریافت کیا کہ کیا اس علاقے میں فوجی مشقیں ہو رہی ہیں کیونکہ کچھ بہت تیزی سے حرکت میں ہے۔

ایئر ٹریفک کنٹرولر نے انھیں مطلع کیا کہ کسی قسم کی مشقیں نہیں ہو رہیں۔

برٹش ایئر ویز کی یہ پرواز کینیڈا کے شہر مونٹریال سے ہیتھرو جا رہی تھی۔ پائلٹ نے کہا کہ 'بہت تیز روشنی' ہے اور ایک شے ان کے جہاز کے 'بائیں جانب آئی اور پھر تیزی سے شمال کی جانب تیزی سے مڑ گئی'۔

پائلٹ نے کنٹرول ٹاور کو بتایا کہ وہ یہ سوچ رہی ہیں کہ یہ کیا شے ہو سکتی ہے تاہم یہ شے جہاز کے ساتھ ٹکراؤ کی پوزیشن میں نہیں آئی۔ ورجن فلائٹ کے ایک اور پائلٹ نے بھی اس گفتگو میں حصہ لیتے ہوئے کہا کہ ہو

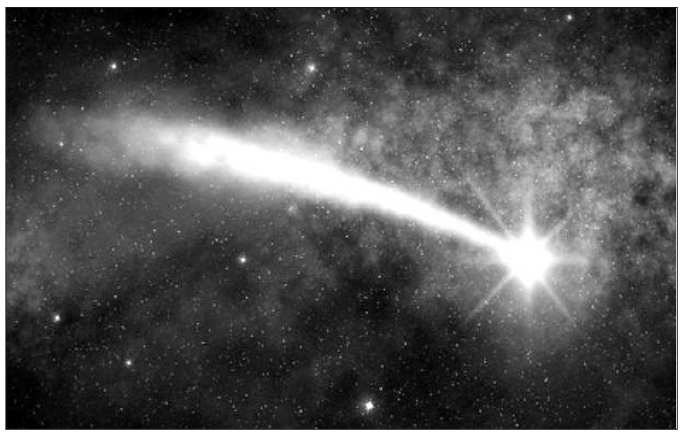

سکتا ہے کہ یہ شہاب ثاقب ہو۔

اس پائلٹ نے بتایا کہ کئی اشیا ایک ہی جیسی حرکت میں ہیں اور ان سے بہت تیز روشنی نکل رہی ہے۔

ورجن فلائٹ کے پائلٹ نے مزید کہا کہ انھوں نے دائیں جانب دو تیز روشنیاں دیکھیں جو تیزی سے اوپر کی جانب گئیں۔

ایک پائلٹ نے کہا کہ ان اشیا کی رفتار بہت تیز تھی شاید میک 2 یعنی آواز کی رفتار سے دگنی۔

ارمغ آبزرویٹری اینڈ پلینیٹیریئم کے ماہر فلکیات اپوسٹولس کرسٹو کا کہنا ہے کہ ہو سکتا ہے کہ پائلٹس نے جو دیکھا وہ دھول ہو جو بہت تیز رفتاری سے سفر کر رہی ہو۔

انھوں نے کہا 'زیادہ امکان ہے کہ یہ شوٹنگ سٹار ہوں۔ کہا جا رہا ہے کہ یہ بہت چمکدار تھا تو عین ممکن ہے کہ یہ کسی شے کا ایک بہت بڑا ٹکڑا ہو'۔

ان کا مزید کہنا تھا کہ پائلٹس کی وضاحت سے ان کو اندازہ نہیں ہو رہا لیکن ہو سکتا ہے کہ یہ شے اخروٹ یا سیب کے سائز کا ہو۔

ماہر فلکیات اپوسٹولس کرسٹو نے کہا کہ نومبر میں عام طور پر اس قسم کی اشیا بہت نظر آتی ہیں۔

'کہا جا رہا ہے کہ ان اشیا پر سے کچھ اتر رہا تھا اور جہاز کے قریب سے گزرے۔ ایسا ہی اس بڑے پتھر کے ساتھ ہوتا ہے جو خلا سے زمین کی فضا میں داخل ہوتا ہے۔ اس کے ٹکڑے ہو جاتے ہیں'۔

آئرش ایوی ایشن اتھارٹی نے ایک بیان میں کہا ہے کہ 'نومبر نو کو چند طیاروں نے غیر معمولی فضائی حرکات و سکنات پر رپورٹ کی۔ ان رپورٹس کی تحقیقات کی جائیں گی'۔

امریکی فائٹر پائلٹ نے کیا دیکھا؟

گذشتہ سال نیویارک ٹائمز نے امریکی فضائیہ کے ایک پائلٹ کی ویڈیو کے حوالے سے رپورٹ کیا تھا کہ پائلٹ نے اڑن طشتریاں دیکھیں۔

رپورٹ میں کہا گیا تھا کہ ان اڑن طشتریوں کی ویڈیو ایک پروگرام کے تحت 2004 میں بنائی گئی تھی اور امریکی وزارت دفاع کا کہنا ہے کہ اس پروگرام کو 2012 میں بند کر دیا گیا تھا۔

اس ویڈیو میں پائلٹ اڑن طشتریوں کو دیکھ کر کیا کہتا ہے؟

پائلٹ: یہ ڈرون ہے

پائلٹ: یہ تو بڑی تعداد میں ہیں، اوہ!

پائلٹ: یہ ہوا مخالف پرواز کر رہے ہیں اور ہوا کی رفتار 120 ناٹس مغرب کی جانب ہے

پائلٹ: اس کو دیکھو

پائلٹ: اس شے کو دیکھو یہ گھوم رہی ہے۔

سورس : بی بی سی اردو

बहुतकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतू कांउसलिंग शैडयूल वेबसाईट पर उपलब्ध

अजय कश्यप
मंडी . बाख़बर कनेक्ट

हिमाचल प्रदेश में राजकीय बहुतकनीकी व निजी बहुतकनीकी संस्थानों में चले रहे तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठयक्रमों के लिए दसवीं के मार्क्स ऑनलाईन अपडेट करने के तिथि 20 से 27 जुलाई, 2022 तक निर्धारित की गई है। यह जानकारी निदेशक, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विवेक चंदेल ने दी। उन्होंने बताया कि दो वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा लेटरल एंट्री के लिए दस जमा दो और आईटीआई के मार्क्स 20 से 28 जुलाई तक अपडेट किए जायेंगे जबकि दो वर्षीय डिप्लोमा फार्मेसी पाठयक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन 7 से 28 जुलाई तक किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि इन पाठयक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों निर्दिष्ट विषयों में प्रवेश न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में प्राप्त अंकों की योग्यता के आधार पर किया जाएगा, प्रवेश के लिए कांउसलिंग शैडयूल एवं विवरण पुस्तिका तकनीकी शिक्षा बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सभी उम्मीदवारों को सूचित किया है कि वे ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने से पहले विवरण पुस्तिका के साथ-साथ प्रवेश/कांउसलिंग शैडयूल को ध्यान से पढ़ लें । उन्होंने बताया कि राजकीय बहुतकनीकी संस्थानों तथा आईटीआई में भी सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं । इसके अतिरिक्त प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में सभी प्रश्नों के समाधान के लिए एक टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 1800-180-8025 स्थापित किया गया है, जो कि सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक कार्यशील रहेगा।

25 से 31 जुलाई तक मनाया जायेगा बिजली महोत्सव

बाख़बर न्यूज
चंबा . बाख़बर कनेक्ट

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में पिछले 75 सालों में बिजली क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों पर देशभर में उज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य योजना के तहत के 25 से 31 जुलाई तक बिजली महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा की अध्यक्षता में कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त डीसी राणा उपायुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष से जुड़े।

बैठक के उपरांत उपायुक्त चंबा डीसी राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में भी बिजली महोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें नुक्कड़ नाटक,सांस्कृतिक कार्यक्रम, बिजली उपलब्धियों से संबंधित प्रदर्शनी और विभिन्न लघु फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

कार्यक्रम में आयोजित होने वाले संस्कृतिक कार्यक्रम जिला भाषा अधिकारी की देखरेख में आयोजित होंगे,कार्यक्रम के आयोजन के लिए इनडोर स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि बिजली महोत्सव 31 जुलाई को भारत के प्रधान मंत्री के साथ लाइव इंटरेक्शन सत्र का ग्रैंड फिनाले इवेंट देश के सौ स्थानों पर हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा। बैठक में आयुक्त उपायुक्त व मनीष चौधरी, जिला लोक संपर्क अधिकारी केसी चौहान सहायक अभियंता विद्युत विभाग अजय शर्मा उपस्थित रहे।

धर्मशाला में नगर वन योजना के तहत खर्च होंगे दो करोड़ : विशाल नैहरिया

बाख़बर कनेक्ट
धर्मशाला . बाख़बर कनेक्ट

धर्मशाला में पर्यावरण संरक्षण तथा पौधारोपण के लिए नगर वन योजना के तहत दो करोड़ की राशि व्यय की जाएगी। यह जानकारी विधायक विशाल नैहरिया ने हरियाली महोत्सव-2022 का धर्मशाला के कालापुल में शुभारंभ करने के उपरांत दी। इस दौरान पौधारोपण भी किया गया।

विधायक विशाल नैहरिया ने कहा कि धर्मशाला क्षेत्र में इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं तथा इसी के दृष्टिगत इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर कार्य चल रहा है। विधायक विशाल नैहरिया ने कहा कि पौधारोपण जरूरी है। सभी नागरिकों को पौधारोपण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी जीवन सुरक्षित होगा।

Innovative effort to promote agriculture in Himachal Pradesh

Special efforts are being made to make Himachal Pradesh self-sufficient in agricultural production and to improve the economy of the farmers. Various ambitious schemes and programs are being run by the present State Government for giving fillip to the agriculture sector besides strengthening the socio-economic condition of the farmers. A provision of Rs 628.52 crore has been made for the agriculture sector in the current financial year.

Majority of the population of Himachal Pradesh is dependent on agriculture and allied sectors for their livelihood and this sector is providing direct employment to about 70 percent people. Keeping this in mind, the state government has laid special emphasis on crop diversification, increasing agricultural production and improving quality of the produce.

About 9.44 lakh hectares of land is under cultivation in the state and it contributes about 13.62 percent of the GDP. The State Government is determined to pour out the benefits of various developmental programs and modern technology to the farmers. Natural resources like land and water are being utilized in such a way so as to ensure economic upliftment of farming community by

adopting environment protection measures.

Special emphasis is being laid on increasing the production of high value crops by adopting modern technologies. Prakritik Kheti, Khushhal Kisan Yojna is being implemented by the state government to encourage natural farming. The objective of this scheme is to enhance the farmers, income by reducing the cost of crop production and to save the soil and human from the harmful effects of chemical fertilizers and pesticides. Rs. 58.46 crore has been spent under this scheme till date.

As many as 1,71,063 farmers have adopted natural farming covering 9,421 hectare area of ??the state. The state government has set a target of bringing 50 thousand acres of land under natural farming and 50 thousand farmers will be certified as natural farmers during this financial year.

Himachal Pradesh Crop Diversification Promotion Project is being implemented to promote crop diversification in the state. In view of the successful results of JICA phase-1 in the state, JICA phase-2 has also been approved. Under this, a budget of Rs. 1010.13 crore has been proposed.

State Agricultural Mechanization Program for mechanization in the agriculture sector is been implemented in the state. Under this scheme, power tillers and power weeders, brush cutters, rota weeders, chaff cutters, wheat thrashers, maize shellers, crop reapers etc. are being provided to the farmers of the state on subsidy. Rs. 74.88 crore has been spent under this program in the last four years.

Similarly under Mukhyamantri Khet Sanrakshan Yojna, for the protection of crops from stray animals, monkeys and other wild animals, 80 percent subsidy is being provided to farmers for setting up solar-powered fencing at individual level and 85 percent for group based fencing. During the last four years Rs. 186.28 crore has been spent on this scheme and 9 thousand 846 farmers have been benefitted.

The government is also implementing Flow Irrigation Scheme, Efficient irrigation through micro irrigation, Jal Se Krishi, construction of lift irrigation and borewell scheme to provide irrigation facilities to the farmers.

Besides this, various center sponsored welfare schemes are being implemented in the state, with motive to improve the economy and bring progressive changes in the lives of farmers.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़**, कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट।**
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.

आज़ादी का अमृत महोत्सव | 8 साल सेवा, सुशासन गरीब कल्याण

"डिजिटल इंडिया आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के लिए दृढ़ता के साथ मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह उन लोगों को भी सिस्टम के साथ जोड़ रहा है, जिन्होंने इसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डिजिटल क्रांति से प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही जन समस्याओं का तीव्र समाधान

ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया प्रोग्राम

ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत प्रदेश सचिवालय के 87 कार्यालयों तथा 70 अन्य विभागों में ई-ऑफिस एप्लिकेशन पर कार्य आरम्भ

ई-विधानसभा

हिमाचल प्रदेश ने विधानसभा की कार्रवाई 'ई-विधानसभा' के रूप में आरम्भ कर देश भर में की अनुकरणीय पहल

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांस्फर (डी.बी.टी.) स्कीम

केन्द्र व राज्य सरकार की 94 कल्याणकारी योजनाओं का लाभ डी.बी.टी. द्वारा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जा रहा ट्रांस्फर, प्रदेश स्कॉच आर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित

हिमाचल ऑनलाइन सेवा (ई-ज़िला) पोर्टल

- पोर्टल के माध्यम से ज़िला और उप-मण्डल स्तर पर नागरिक केन्द्रित सेवाओं की समयबद्ध इलेक्ट्रॉनिक डिलिवरी सुनिश्चित
- प्रदेश में 4500 लोकमित्र केन्द्र कार्यरत। पोर्टल से करवाई जा रहीं 96 सेवाएं उपलब्ध, जिनमें से 37 सेवाएं लोकमित्र केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध
- ई-ज़िला को सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक सेवा पहल का पुरस्कार तथा प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त

हिम प्रगति पोर्टल

- महत्त्वपूर्ण योजनाओं व परियोजनाओं की ऑनलाइन निगरानी के लिए पोर्टल आरम्भ। पोर्टल से विद्युत, औद्योगिक, पर्यटन व अन्य अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं की स्वीकृतियां व अनुमोदन जैसे कार्य। मुख्यमंत्री द्वारा समय-समय पर पोर्टल के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा
- सरकारी कामकाज में पारदर्शिता व 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में हुआ व्यापक सुधार

डिजिटल लॉकर सुविधा

- प्रदेश में राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, परिवहन कॉपी, 10वीं व 12वीं की मार्क्सशीट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वाहन पंजीकरण आदि दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों को डिजिटल रूप से जारी करने और सत्यापित करने के लिए डिजिटल लॉकर सुविधा आरम्भ

आपातकालीन प्रतिक्रिया समर्थन प्रणाली-112

- किसी भी आपातकालीन स्थिति में सूचना देने के लिए पुलिस मुख्यालय में स्थापित इस प्रणाली के माध्यम से 70402 शिकायतें प्राप्त, 70302 शिकायतों का किया समाधान

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार

www.himachalpr.gov.in HimachalPradeshGovtIPRDept DPR Himachal dprhp